फंसी निवेश परियोजनाओं को अब आगे बढ़ाने की मुहिम

- इन्वेस्ट यूपी सीईओ ने दिया निवेशकों से फीडबैक लेने का फरमान
- निवेशकों के जवाब से अब अधिकारियों के छूट रहे पसीने

लखनऊ, विशेष संवाददाता। निवेश परियोजनाओं की रफ्तार बढ़ाने के शुरू हुए बड़े अभियान में अब पता चला रहा है कि निवेशकों से लंबे वक्त से संपर्क ही नहीं किया गया। अब उनके पास इन्वेस्ट यूपी से फोन आने लगे है तो वह खुद हैरत हैं। पर अब वह शिकायत कर रहे हैं कि उनके प्रोजेक्ट जमीन न मिलने की वजह से अटके पड़े हैं। अब रुकी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए जमीन आवंटन के मामलों को खास तवज्जो दी जा रही है।

असल में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनंद ने पुराने एमओयू की पड़ताल कराने के लिए अपनी टीम को जिम्मेदारी सौंपी हैं। रोजाना इन्वेस्ट यूपी के मुख्यालय से निवेशकों को फोन कर संपर्क किया जा रहा है। इस काम में 50 से ज्यादा लोग लगाए हैं। जिन्हें रोजाना संपर्क करने का लक्ष्य दिया गया है। अब जो फीड बैक आ रहा है वह चौंकाने वाला है साथ ही अब तक निवेश लाने के बड़े बड़े दावे करने वालो जिम्मेदार लोगों पर सवाल भी खड़े कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक निवेशकों ने कहा कि लंबे समय तक जिम्मेदार लोगों ने संपर्क नहीं किया। उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ।

3480 परियोजनाओं पर काम अभी शुरू होना है

यह भी पता चला है कि 1315 परियोजनाएं कार्यान्वयन के स्तर पर हैं। इनमें 66 निष्क्रिय हैं जबकि 362 का कोई अपडेट नहीं है। इन्हीं परियोजनाओं के बारे में निवेशकों से पूछा जा रहा है कि उनका निवेश प्रस्ताव किस स्तर पर लंबित है। अभी 3480 परियोजनाओं पर काम शुरू होना है। कुल 8605 परियोजनाओं में 3480 परियोजनाएं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी के लिए तैयार हैं।